

शरीरबंध पुं. (तत्.) 1. शारीरिक ढाँचा, शरीर का ढाँचा, देहयष्टि 2. शरीरधारी प्राणी का जन्म।

शरीरबद्ध वि. (तत्.) देहवाला, देहधारी, देहयुक्त, शरीरधारी, शरीरान्वित, शरीर-संपन्न।

शरीरयष्टि स्त्री. (तत्.) 1. दुबला-पतला शरीर, पतला बदन, कोमल शरीर 2. देह, शरीर, काया।

शरीर यात्रा स्त्री. (तत्.) 1. जीवन-रक्षण के साधन, जीवन-वर्धन की वस्तुएँ 2. जीवन 3. आजीविका, रोजी।

शरीर रक्षक पुं. (तत्.) किसी व्यक्ति के शरीर की रक्षा करने वाला अन्य व्यक्ति, अंगरक्षक, बॉडीगार्ड वि. शरीर की रक्षा करने वाला।

शरीर विज्ञान पुं. (तत्.) शरीर के भीतरी-बाहरी अंगों की बनावट और उनके कार्यों आदि का विवेचन करने वाला शास्त्र, प्राणियों के शरीर का रचना-विज्ञान, शरीर रचना विज्ञान, शरीर विज्ञान।

शरीर विमोक्षण पुं. (तत्.) 1. जन्म-मृत्यु के बंधन से मुक्ति, आत्मा का शरीर से छुटकारा, मोक्ष, मुक्ति, आवागमन से छुटकारा 2. शरीर से मुक्ति, मृत्यु।

शरीरवृत्ति स्त्री. (तत्.) 1. शरीर के पालन-पोषण एवं रक्षा के लिए व्यापार-नौकरी आदि, आजीविका, जीविका, रोजी 2. शरीर का निर्वाह करना, शरीर का पालन-पोषण।

शरीर वैकल्य पुं. (तत्.) अस्वस्थता, शारीरिक रोग, बीमारी, व्याधि।

शरीर-शास्त्र पुं. (तत्.) दे. शरीर विज्ञान।

शरीर-शोधन पुं. (तत्.) शरीर की शुद्धि, शरीर का मल निकालने वाला पदार्थ आयु. वह पदार्थ जो शरीर के कुपित वात, पित्त और कफ को शरीर से बाहर निकाल दे।

शरीर-संपत्ति स्त्री. (तत्.) स्वस्थ शरीर, अच्छा स्वास्थ्य, शरीर की समृद्धि।

शरीर-सेवा स्त्री. (तत्.) देह को सुखी रखने के कार्य, शरीर की देखभाल।

शरीर-सेवी वि. (तत्.) केवल अपने शारीरिक सुख की ही चिंता करने वाला।

शरीरस्थ वि. (तत्.) शरीर में स्थित, शरीर में रहने वाला।

शरीरांत पुं. (तत्.) 1. मृत्यु, मौत, देहांत, देहावसान 2. बाल।

शरीरांतर पुं. (तत्.) दूसरा शरीर, शरीर का भीतरी भाग।

शरीरावरण पुं. (तत्.) 1. शरीर का आवरण 2. खान, चमड़ा, त्वचा 3. ढाल।

शरीरास्थि पुं. (तत्.) शरीर की हड्डियाँ, कंकाल, अस्थि-पंजर।

शरीरी वि. (तत्.) शरीर से युक्त, शरीरवान, शरीरधारी, जीवधारी, जीव पुं. आत्मा, जीव, प्राणी, सचेतन शरीर, मनुष्य।

शरीरोष्मा स्त्री. (तत्.) शरीर की गर्मी, देह-ताप।

शरीरार्पण पुं. (तत्.) 1. किसी को शरीर को अर्पण करना या सौंपना 2. सत्कार्य के लिए सेवा-भाव, तन-मन से जुटना 3. किसी महत् उद्देश्य की पूर्ति के लिए मृत्यु का वरण, आत्म-बलिदान।

शरु पुं. (तत्.) 1. बाण, हथियार, आयुध 2. इंद्र का वज्र 3. हिंसा, क्रोध, कोप वि. शीर्ण, सूक्ष्म।

शरेज पुं. (तत्.) कार्तिकेय।

शरेष्ट पुं. (तत्.) आम का पेड़, आम-वृक्ष।

शर्क पुं. (अर.) पूर्व, पूरब, उदयाचल।

शर्कत स्त्री. (अर.) 1. शरीक होना, शिरकत करना, सम्मिलन 2. सहयोग, साथ देना 3. साझेदारी, साझा।

शर्कर पुं. (तत्.) 1. चीनी, मिश्री, शक्कर 2. बालू का कण, कंकड़, बजरी 3. जल में पैदा होने वाला एक प्रकार का जीव वि. कणदार।

शर्करक पुं. (तत्.) मीठा नींबू।